Series ABCD1/2

Set No. 1

प्रश्न-पत्र कोड **2/2/1**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं ।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।*
- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **7** प्रश्न हैं ।*
- ***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
- *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 2 घण्टे | *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड क** और **खण्ड ख** ।

(iii) इस प्रश्न-पत्र में कुल **07** प्रश्न पूछे गए हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(iv) प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं । निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।

खण्ड क
(कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन) **20**

1. निम्नलिखित दिए गए तीन शीर्षकों में से किसी ***एक*** शीर्षक का चयन कर लगभग 150 – 200 शब्दों में एक रचनात्मक लेख लिखिए : *1×5=5*

(क) घर बैठकर दफ़्तर का काम

(ख) मेले में उमड़ती भीड़

(ग) सुबह की सैर का आनंद

2. (क) आप सुधा/सुहव हैं । आपका बचत खाता, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, क.ख.ग. नगर में है । आप 'नेट बैंकिंग सेवा' का लाभ प्राप्त करना चाहती/चाहते हैं । इस विषय में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु बैंक प्रबंधक को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

(ख) आप लता/ललित हैं । आपके पैतृक गाँव में चिकित्सा-सुविधाओं का अभाव है । समाचार-पत्र 'अपना पेपर' के सम्पादक को पत्र लिखकर गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं की कमी का उल्लेख कीजिए और कुछ गाँवों के बीच प्राथमिक चिकित्सा सुविधा वाले अस्पताल खोलने का सुझाव दीजिए, जहाँ आस-पास के ग्रामीण भी लाभान्वित हो सकें । *5*

3. (i) (क) कहानी को नाटक में किस प्रकार रूपांतरित किया जा सकता है ? आधार बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए । *3*

अथवा

(ख) कहानी के नाट्य रूपांतरण में किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है ? *3*

(ii) (क) रेडियो नाटक के लिए पात्रों की संख्या सीमित क्यों रखनी चाहिए ? *2*

अथवा

(ख) रेडियो नाटक की अवधि आमतौर पर 15 – 30 मिनट तक की ही क्यों रखी जाती है ? *2*

4. (i) (क) फ़ीचर क्या है ? फ़ीचर लेखन की शैली का उल्लेख कीजिए । *3*

अथवा

(ख) विशेष रिपोर्ट किसे कहा जाता है ? यह कैसे तैयार की जाती है ? *3*

(ii) (क) विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग क्यों होती है ? *2*

अथवा

(ख) पत्रकारिता जगत में साक्षात्कार का क्या महत्त्व है ? *2*

खण्ड ख
(पाठ्यपुस्तक और अनुपूरक पाठ्यपुस्तक) 20

5. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(i) 'उषा' कविता के उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के जादू के साथ टूटता है । *3*

(ii) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर राम द्वारा वर्णित लक्ष्मण के गुणों का उल्लेख कीजिए । *3*

(iii) "फ़ितरत का कायम है, तवाज़ुन आलमे-हुस्नो-इश्क में भी
उसको उतना ही पाते हैं, खुद को जितना खो लेते हैं"

उपर्युक्त पंक्तियों में प्रेम और सौंदर्य के किस नियम की अभिव्यक्ति फ़िराक गोरखपुरी ने की है ? *3*

6. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में दीजिए : *3×3=9*

(i) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर बताइए कि लुट्टन सिंह को राज पहलवान की पदवी कैसे मिली । *3*

(ii) 'नमक' कहानी में भारत और पाकिस्तान की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे ? *3*

(iii) 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर बताइए कि मनुष्य की क्षमता किन तीन बातों पर निर्भर करती है । *3*

(iv) डॉ. आंबेडकर के आदर्श समाज की कल्पना में 'भ्रातृता' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए । *3*

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+2=5*

(i) (क) 'मुअनजो-दड़ो का नगर-नियोजन भव्य एवं अनूठा था ।' 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए । *3*

अथवा

(ख) "ऐन की डायरी इतिहास के एक सबसे आतंकप्रद और दर्दनाक अध्याय के साक्षात् अनुभव को बखान करती है ।" – 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए । *3*

(ii) (क) सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' के नाम से क्यों जाना जाता है ? *2*

अथवा

(ख) महिलाओं के अधिकारों और जीवन-शैली के बारे में ऐन फ्रैंक के विचारों की समीक्षा जीवन-मूल्यों की दृष्टि से कीजिए । *2*

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म - II परीक्षा, 2022

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्‌वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्‌न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्‌वारा ऐसा चिह्‌न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्‌वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **30** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
14. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है ।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च -2022

अंक योजना : हिंदी-आधार (302), प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				खंड क **(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)**	
1.	1.	1.	1.	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख अपेक्षित भूमिका विषयवस्तु भाषा	 1 3 1
					5
2.	2.	2.	2.	पत्र लेखन आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ विषयवस्तु भाषा	 1 3 1
					5
3.	3. (i) क	4. (i) क	3. (i) क	• कहानी की कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित कर • कथावस्तु से संबंधित वातावरण, ध्वनि, प्रकाश, मंच-सज्जा और संगीत की व्यवस्था कर	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				• पात्रों के द्वंद्व और संवादों को कथानक के अनुरूप अभिनय द्वारा स्वरूप प्रदान कर • कहानी में वर्णित घटनाओं के आधार पर दृश्य निर्माण कर **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	अथवा **i(ख)**	**अथवा** **i(ख)**	**अथवा** **i(ख)**	• स्थान परिवर्तन की समस्या • रूपांतरण में एक प्रमुख समस्या पात्रों के मनोभाव और मानसिक द्वंद्व को अभिव्यक्त करने की । • दृश्य निर्माण की समस्या • संवादों को नाटकीय रूप प्रदान करने की समस्या और संगीत, ध्वनि और प्रकाश करने की समस्या। •कथानक को अभिनय के अनुरूप बनाने की समस्या। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	ii(क)	**ii(क)**	**ii(क)**	• श्रव्य माध्यम होने के कारण सिर्फ आवाज़ के सहारे पात्रों को याद रखना मुश्किल • अधिक पात्रों से श्रोता का सामंजस्य बैठाना कठिन • अधिक पात्र होने की स्थिति में उबाऊ होने लगेगा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	अथवा **ii(ख)**	**अथवा** **ii(ख)**	**अथवा** **ii(ख)**	इसके दो कारण हैं– • मनुष्य की एकाग्रता की अवधि 15 से 30 मिनट की ही होती है, इससे ज्यादा नहीं। सिनेमा घर या नाट्यगृहों के विपरीत रेडियो का श्रोता घर बैठकर ही इसका आनंद लेता है और श्रोता का मन उचटते ही वह किसी और स्टेशन के लिए सुई घुमा सकता है।	**2**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
4.	4. i(क)	3. i(क)	4. i(क)	• फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने, शिक्षित करने के साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना होता है। • फ़ीचर लेखन में लेखक के पास अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर करने का अवसर होता है। फ़ीचर लेखन की शैली काफी हद तक कथात्मक होती है। • फ़ीचर लेखन की भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली होती है।	1 + 2
	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	• सामान्य समाचारों से अलग विशेष रिपोर्ट किसी घटना, समस्या या मुद्दे की गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या विशेष रिपोर्टों को समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली या कई बार फ़ीचर शैली में भी लिखा जाता है। यह रिपोर्ट सामान्य समाचार से बड़ी होती है। इसलिए उसे शृंखलाबद्ध करके कई दिनों तक किस्तों में भी छापा जाता है। विशेष रिपोर्ट की भाषा सहज, सरल और आम बोलचाल की होनी चाहिए।	1 + 2
	ii(क)	ii(क)	ii(क)	• विशेष लेखन की अपनी विशिष्ट तकनीकी शब्दावली होती है, जबकि सामान्य लेखन सहज सरल भाषा में होता है। • विशेष लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं, सामान्य लेखन कथात्मक शैली में किया जा सकता है	2
	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	• पत्रकारिता जगत में पत्रकार साक्षात्कार के ज़रिये ही एक तरह से समाचार विशेष रिपोर्ट और अन्य कई ,फ़ीचर , तरह के पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा माल इकट्ठा करते हैं। इसलिए समाचार माध्यमों में साक्षात्कार का बहुत महत्त्व है। • व्यक्ति से तथ्य, राय, भावनाएँ जानने का अवसर	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				खण्ड-ख **(पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)** **(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
5	5(i)	--	--	• 'उषा' कविता में कवि ने विभिन्न प्रतीकों और बिंबों के माध्यम से प्रकृति के पल-पल बदलते स्वरूप को स्पष्ट किया है। • सूर्योदय से पूर्व का दृश्य आकर्षक और मनोहारी । • लाल-काले रंगों के अद्‌भुत मेल से आकाश में सुंदर वातावरण बन जाता है। इसी रंग-बिरंगे वातावरण को कवि ने 'उषा का जादू' कहा है। • सूर्योदय के बाद आकाश में सूर्य की तेज़ किरणें छिटक कर अपना प्रकाश बिखेर देती हैं, जिसके प्रभाव से ये सारे रंग विलीन हो जाते हैं। उसकी आर्द्रता शुष्कता में परिवर्तित हो जाती है। इस प्रकार 'उषा का जादू' टूट जाता है। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ii)	--	--	• लक्ष्मण राम से बहुत स्नेह करते थे इसलिए उन्होंने राम के साथ वन जाने के लिए माता पिता और पत्नी का वियोग भी सहन किया था । • वन में वर्षा, हिम, ताप, धूप आदि कष्टों को सहन किया था। • उनका स्वभाव बहुत मृदुल था। वे भाई के दुख को नहीं देख सकते।	3
	(iii)	--	--	• प्रेम की अनुभूति, प्रेम की प्राप्ति के लिए सर्वस्व त्याग और समर्पण की आवश्यकता । • जिस प्रकार ईश्वर की प्राप्ति सर्वस्व लुटा देने पर ही होती है उसी प्रकार प्रेम और सौंदर्य में स्वयं को खोकर अधिक से अधिक पाया जा सकता है। • प्रेम और सौंदर्य की स्थिति में भी स्वभाव की स्थिरता • स्वयं का अहं खोकर प्रेम की प्राप्ति । **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	--	5. (i)	--	• सूर्योदय से पहले आकाश की छवि पल-पल बदलती रहती है। • सूर्योदय से पहले आकाश का रंग शंख जैसा नीला दिखाई देता है, • आकाश राख से लीपे चौके जैसा दिखाई देता है जिसमें नमी की मात्रा मौजूद है। • सूर्योदय से पहले आकाश को काले सिल तथा स्लेट के रूप में	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				चित्रित किया गया है। • सूर्य की छिटकती लालिमा काली सिल को लाल केसर से धुले होने का तथा काली स्लेट पर लाल खड़िया चाक के मले होने का अहसास कराती है। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	--	(ii)	--	• तुलसीदास जी ने दरिद्रता की तुलना रावण से की है । • गरीबी की पीड़ा रावण के समान दुखदायी हो गयी है । जिस प्रकार रावण ने समाज से धर्म, नैतिकता, अच्छाई आदि को समाप्त कर दिया था उसी प्रकार दरिद्रता ने लोगों के जीवन में अधर्म-धर्म, अनैतिकता-नैतिकता, बुराई और अच्छाई के अंतर को मिटा दिया है । पेट की आग को शांत करने के लिए लोग पाप करने से, अधर्म करने से भी नहीं हिचकिचाते, अपनी संतान तक को बेच रहे हैं । दरिद्रता रूपी रावण ने लोगों के विवेक को नष्ट कर दिया है ।	3
	--	(iii)	--	फिराक की रुवाइयों में घरेलू जीवन के अनेक सुंदर चित्र उपस्थित हुए हैं। जैसे– • माँ द्वारा आँगन में खड़े होकर अपने बच्चे को हाथों में झुलाना • माँ द्वारा बच्चे को नहलाना, कपड़े पहनाना, बाल सँवारना • बालक द्वारा चाँद-रूपी खिलौने को पाने के लिए हठ करना और माँ द्वारा आइने में चाँद दिखाना • दीपावली के अवसर पर घर की लिपाई-पुताई करना। बच्चे के घरौंदे में दीया जलाना। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	--	--	5. (i)	• दोनों ही गहरे सलेटी रंग के होते हैं। (वर्ण साम्यता के कारण) • आकाश और चौका दोनों में ही नमी की मात्रा होती है।(आर्द्रता के कारण) • दोनों ही स्वच्छ और पवित्र होते हैं। (निर्मलता के कारण)	3
	--	--	(ii)	• जातिप्रथा छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को अस्वीकार कर के • सामाजिक वर्ग भेद को नकार करके • समाज में किसी से भी सबंध स्थापित न करके • जातिगत भेदभाव को रेखांकित कर उससे उठने की बात **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	--	--	(iii)	फिराक गोरखपुरी की रुबाइयों में वात्सल्य के अनेक सुंदर चित्र हैं। • माँ द्वारा आँगन में खड़े होकर, दोनों हाथों का झूला बनाकर बालक को झूला झूलाना, हवा में उछालना, बच्चे के खिलखिलाने से प्रसन्न होना। • कोमलता और ममता के साथ बच्चे को नहलाना, सँवारना • बच्चे द्वारा आँगन के चाँद की हठ करने पर उसे प्रसन्न करने के लिए दर्पण में चाँद दिखाना । • दीपावली के अवसर पर बच्चे के घरौंदे में दीया जलाकर उसकी खुशी में गर्व अनुभव करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
6	6.			**(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
	(i)	--	--	लुट्टन श्यामनगर में रहता था। जहाँ के राजा कुश्ती के शौकीन थे । वहाँ दंगल का आयोजन होने पर लुट्टन भी दंगल देखने पहुँचा। पंजाब का चाँद सिंह नामक पहलवान वहाँ आया था जो 'शेर का बच्चा' के नाम से प्रसिद्ध था । कोई भी पहलवान उससे भिड़ने की हिम्मत नहीं करता था। लुट्टन सिंह ने चाँद सिंह को चुनौती दे दी और भिड़ गया। ढोल की आवाज़ सुनकर लुट्टन की नस-नस में जोश भर गया और उसने चाँद सिंह को चारों खाने चित्त कर दिया। भीड़ ने जयजयकार किया एवं राजा साहब ने उसकी बहादुरी से प्रभावित होकर उसे राज पहलवान बना दिया।	3
	(ii)	--	--	'नमक' कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद सीमा के दोनों तरफ के विस्थापित लोगों के दिलों को टटोलती कहानी है। सीमाओं का बँटवारा तो कर दिया गया, पर लोगों के मन की भावनाएँ पृथक न हो पाईं। दोनों तरफ की जनता का लगाव अपने मूल स्थान से ही बना रहा। पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी, भारतीय कस्टम अधिकारी क्रमशः देहली और ढाका को आज भी अपना वतन मानते हैं। सिख बीबी के लिए 'साडा वतन' तो लाहौर ही है। ढाका हो, दिल्ली हो या फिर लाहौर, सबके नाम अलग हो सकते हैं, परंतु वहाँ के रहने वाले लोगों के दिल नहीं बाँटे जा सकते हैं।	3
	(iii)	--	--	• शारीरिक वंश परंपरा • सामाजिक उत्तराधिकार • मनुष्य के अपने प्रयत्न	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
		6.	6.		
	(iv)	(iv)	(iv)	भ्रातृत्व अर्थात भाईचारा। किसी भी आदर्श समाज की रचना में भ्रातृत्व का बहुत महत्त्व है। समाज में जब भाईचारा बढ़ेगा, तभी प्रत्येक व्यक्ति को अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी। समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में निर्बाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। समाज में लोगों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो। दूध-पानी की तरह भेदभाव रहित समाज होना चाहिए।	3
	--	(i)	--	• श्यामनगर के मेले में चाँद सिंह पहलवान को हराने के कारण जीवन में आये परिवर्तन • 15 साल तक राज दरबार में रहा • राज पहलवान बनते ही दिनचर्या में परिवर्तन आ गया • भरपेट पौष्टिक भोजन मिलने लगा • दोनों बेटों को भी पहलवानी सिखा दी • राजदरबार का दर्शनीय व्यक्ति बन गया	3
	--	(ii)	--	भारत-पाक विभाजन के बावजूद 'नमक' कहानी यथार्थ में मानवीय भावनाओं की समानता की कहानी है। विस्थापित हुए लोगों में अपने-अपने जन्मस्थानों के प्रति आज भी लगाव है। विभाजित राष्ट्र-राज्यों की सीमा-रेखाएँ उनके अंतर्मन को अलग नहीं कर पाई हैं। भारत में रहने वाली सिख बीबी लाहौर को अपना वतन मानती है और भारतीय कस्टम अधिकारी, ढाका के नारियल पानी को यादकर उसे सर्वश्रेष्ठ बताता है। दोनों देशों के नागरिकों के बीच मोहब्बत का नमकीन स्वाद आज भी कायम है। यह कहानी भारत और पाकिस्तान की जनता की छुपी हुई भावनाओं को दर्शाती है जो विभाजन से दुखी हैं ।	3
	--	(iii)	--	• यह विभाजन अस्वाभाविक है। • यह मनुष्य की रुचि और क्षमता पर आधारित नहीं है। • यह व्यक्ति के जन्म से पूर्व उसका पेशा निर्धारित करता है और विपरीत परिस्थितियों में पेशा बदलने की अनुमति भी नहीं देता।	3
	--	--	(i)	जीवन में आये परिवर्तन • 15 साल तक राज दरबार में रहा • राज पहलवान बनते ही दिनचर्या में परिवर्तन आ गया • भरपेट पौष्टिक भोजन मिलने लगा • दोनों बेटों को भी पहलवानी सिखा दी • राजदरबार का दर्शनीय व्यक्ति बन गया	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	--	--	(ii)	•नमक' कहानी में नमक भारत और पाकिस्तान के विभाजन के बाद इन अलग-अलग देशों में रह रहे लोगों के बीच परस्पर प्रेम, भाईचारा, धार्मिक सौहार्द्र का प्रतीक है जो विस्थापित और पुनर्वासित होकर भी एक-दूसरे के साथ दिल से जुड़े हैं। •इस कहानी में 'वतन' शब्द का भाव दोनों तरफ के लोगों को अतीत की मधुर यादों का स्मरण करा उन्हें भावुक कर देता है। चाहे भारत में रह रही लाहौर की सिख बीबी हो या पाकिस्तान में रह रहे भारतीय कस्टम अधिकारी। दोनों देशों के राजनैतिक संबंधों से आम जनता को कुछ भी लेना देना नहीं है।-उन्हें अपनी मातृभूमि से लगाव है।	$1\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2}$
	--	--	(iii)	•जाति-प्रथा श्रम-विभाजन के साथ श्रमिक विभाजन भी करती है। •जाति-प्रथा आधारित श्रम-विभाजन व्यक्ति की रुचि ,क्षमता या प्रशिक्षण को दरकिनार कर जन्म के आधार पर उसका पेशा निर्धारित करती है। •विपरीत परिस्थितियों में भी यह मनुष्य को पेशा बदलने की अनुमति नहीं देती। • यह समाज में ऊँच-नीच की भावना को जन्म देती है। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
7.	7. i(क)	7. i(क)	7. i(क)	•सुनियोजित नगर नियोजन •मानव निर्मित छोटे-छोटे टीलों पर बसा शहर •टीलों का निर्माण कच्ची और पक्की ईंटों से •सड़कें चौड़ी और सीधी , एक दूसरे को समकोण पर काटती हुई •जल निकासी का उत्तम प्रबंध **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	• ऐन की डायरी में भय, आतंक, भूख, प्यास, मानवीय संवेदनाएँ, प्रेम, घृणा, बढ़ती उम्र की तकलीफ़ें, हवाई हमलों का डर, पकड़े जाने का लगातार भय, तेरह साल की उम्र के सपने, कल्पनाएँ, बाहरी दुनिया से अलग-थलग हो जाने की पीड़ा, मानसिक और शारीरिक ज़रूरतें, हँसी-मजाक, युद्ध की पीड़ा, अकेलापन सभी कुछ है।	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				• यह डायरी यहूदियों पर ढाए गए जुल्मों का एक जीवंत दस्तावेज़ है। • अज्ञातवास के दौरान फैली महामारियाँ • सामान्य आवश्यकता की वस्तुओं के लिए लंबी कतारें • चोरी की घटनाएँ • बच्चे बीमार और भूख से व्याकुल • सरकारी लोगों पर हमले की घटनाएँ **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
7	ii(क)	ii(क)	ii(क)	• सिंधु सभ्यता में जल के महत्त्व के कारण • जल की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ 700 के करीब कुएँ बनाए गए • विशाल स्नानागार • जल प्रबंधन और निकासी की सुव्यवस्था को देखते हुए इसे जल-संस्कृति भी कह सकते हैं। **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	•ऐन फ्रैंक के समाज में स्त्रियों की दशा को बहुत दयनीय बताया है। •वह मानती है कि पुरुष-प्रधान समाज स्त्रियों की शारीरिक अक्षमता का सहारा लेकर उन्हें अपने से नीचे रखता है। •पुरुष स्त्रियों को घर तक ही सीमित रखना चाहते हैंजिससे वे , उन पर अपनी हुकूमत चला सकें। ऐन के विचारों के अनुरूप स्त्रियों को पूर्णरूपेण स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। ऐन के विचार वर्तमान जीवन मूल्यों के अनुसार अत्यधिक प्रासंगिक हैं। वर्तमान समाज में उन्हें संवैधानिक दृष्टि से पुरुषों के समान माना जाने लगा है। उन्हें पुरुषों के बराबर अधिकार एवं सम्मान प्राप्त है। पुरुष वर्ग में भी स्त्रियों के प्रति वैचारिक परिवर्तन आया है। **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2

****